Jiff

Jaipur International Film Festival

Chamber Bhavan, Ground Floor
Rajasthan Chamber of Commerce & Industry
Ajmeri Gate, MI Road, Jaipur-302003

T: +91-141-6500601, M: +91-8003937961
jiffindia@gmail.com, coordinator@jiffindia.org

www.jiffindia.org

Press release (19 November, 2014)

जिफ के लिये पहली और सबसे अहम चयनित फिल्मों की सूची आज जारी

1644 से ज्यादा प्राप्त आवेदनों (फिल्मों) में से कुल 93 फिल्में शामिल

इनमें 61 फिल्में पुरे विश्व से और 32 फिल्में भारत से

जिफ में यूरोप, दक्षिण एशिया और क्षेत्रीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व लगातार बढ रहा रहा है.

जयपुर 19 नवम्बर: 7वें जयपुर अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह-जिफ के लिये पहली और सबसे अहम नामांकन सूची (चयनित फिल्में) आज जारी कर दी गई है. जिफ के फाउंडर और प्रवक्ता हनु रोज ने बताया की पिछले कुछ सालों से जिफ को लेकर विश्व भर के फिल्म मेकर्स में जिस तरह जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, इससे पता चलता है की विश्व सिनेमा अब जयपुर आने को पूरी तरह तैयार है. इस तैयारी का ही हिस्सा है जिफ की पहली सूची. इस सूची में 1644 से ज्यादा प्राप्त आवेदनों (फिल्मों) में से कुल 93 फिल्में शामिल की गई हैं. इनमें 17 फीचर फिल्में, 4 डॉक्यूमेंट्री फीचर, 50 शॉर्ट फिल्में, 7 शॉर्ट डॉक्यूमेंट्रीज और 15 शॉर्ट एनिमेशन फिल्में हैं. इनमें 61 फिल्में पुरे विश्व से और 32 फिल्में भारत से हैं. इन फिल्मों का प्रदर्शन भारत सरकार से (exemption certificate) प्रशासनिक अनुमति के बाद जिफ 2015 में 1-5 फरवरी तक होगा. विशैष हालातों में फिल्में केवल ज्यूरी को ही दिखाई जा सकती है. पिछले साल इस समय तक 1523 फिल्में जिफ में सब्मिट हुई थी.

इनमें फिचर फिल्में है:- भारत से मंजुनाथ, एम. क्रीम, फेंड्री, बोधोन, अम्फोरमंग- द ट्रांसफोरमेशन, रे तथा विदेश से काउबॉयज (क्रोएशिया), द गेम्बलर (लिथुआनिया), द सर्कल (स्विटजरलैण्ड), टूडे (ईरान), अ फ्यू क्यूबिक मेटरस ऑफ लव (अफगानिस्तान) ये सभी फिल्में इस साल ऑस्कर में भी नॉमिनेट हुई हैं तथा अ लाईफ फोर फूटबाल (जर्मनी), द नेरो फ्रेम ऑफ मिडनाईट (मोरक्को), जलालस स्टोरी (बांगलादेश),

युलिसेस लोस टेन थाउजेंड इगोटेस (मेक्सिको) जैसी फिल्में शामिल है. विश्व प्रसिद्ध हिरो देव पटेल की फिल्म द रोड विदिन तथा ऑस्ट्रेलिया से ऑस्कर में नामित फिल्म चार्लिज कंट्री को अभी प्रतीक्षा सूचि में रखा गया है.

चयनित फिल्मों की सूची संल्गन हैं.

इस साल जिफ में अमेरिका, इंगलैण्ड, रूस, स्पेन और भारत जैसे देशों के साथ-साथ नेपाल, भूटान, दक्षिण कोरिया, बहरीन, प्यूर्टो रिको, म्यांमार, स्वीटजरलैण्ड जैसे देशों से भी फिल्में बडी तादात में सब्मिट हुई हैं. जिफ में यूरोप और दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व लगातार बढ रहा रहा है.

भारत से रीजनल सिनेमा के रूप में बंगाली में लगभग 11 और मराठी में लगभग 7, आसामी में 2, मलयालम में 2 और तमील में 4 से ज्यादा और एक फिल्म विजयदान देथा की कहानी पर आधारित फिल्म लाजवंती (फिल्म हिन्दी में पर गाने राजस्थानी में) जिफ में सब्मीट हुई है. इस तरह जिफ में क्षेत्रीय सिनेमा का रुझान काफी बढा है.

पिछले 3 महीने से सलेक्शन कमेटी ने अपनी अथक मेहनत के बाद इन फिल्मों का चयन किया है. इस बार चयन कई मायनों में खाश है. इस साल चयन प्रक्रिया काफी कठीन रही क्यूंकि पिछले सालों की तुलना में प्रतियोगिता की श्रेणीयों मे कम फिल्में चयनित की जा रही हैं. इसकी वजह है श्रेष्ठ और सबसे उतम दर्जे कि फिल्में पुरे विश्व के सामने हो. इससे दर्शकों और फिल्म मेकर्स को टॉप क्लास विश्वस्तरीय सिनेमा जिफ में देखने को मिले.

ये ही नहीं दर्शकों को विश्व की टॉप फीचर डाक्यूमेंट्रीज देखने को मिलेगी जो की इस साल से जिफ में अलग से प्रतियोगिता की श्रेणी में रखी गई हैं.

इस श्रेष्ट और टॉप क्लास विश्वस्तरीय सिनेमा के लिये 18 लोगों के एक राष्ट्रीय (National) और अंतरराष्ट्रीय (International) बोर्ड ने इन फिल्मों का चयन किया है. इनमें विदेश से रॉबर्ट पोपा (रोमानिया से, जिफ के पुर्व ज्यूरी सद्स्य), मुमताज हुसैन (अमेरीका से, जिफ 2012 में अपनी पहली फीचर फिल्म के लिये बेस्ट सिनेमाटोग्राफी अवार्ड), मंजरी मकीजेनी (अमेरीका), बेरनार्ड पेरट (फ्रांस), अन्ना त्रोइनस्काइया (रूस),

दोरीत विजमेन (इन सभी की फिल्मों का चयन पहले जिफ में चुका है) तथा भारत से बिजू मोहन, बेदाब्रता पेन, डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, गजेन्द्र क्षोत्रीय, राकेश गोगना, गौरव पंजवानी, डॉ. विभूति पाण्डे (सभी जिफ के पुर्व ज्यूरी सदस्य), निरंजन थाडे, डॉ. दुष्यंत (जिफ के पुर्व सलेक्शन बोर्ड में) वी. पी. धर, राहूल सूद आदि (पहली बार सलेक्शन बोर्ड में) लोग शामिल हैं.

इस साल जिफ ने पहली बार 50% से ज्यादा फिल्में ऑनलाईन सब्मिट हुई हैं.

राजस्थान से चयनित फिल्मों की सूची दूसरी और अंतिम सूचि के साथ 10 दिसम्बर को जारी होगी.

जिफ में फिल्म सब्मीट कराने की बडी हुई डेड्लाईन 30 नवम्बर 2014 है. जो फिल्म मेकर्स अभी फिल्म सब्मिट करने से चूक गये हैं वे अब फिल्म मार्केट में भी फिल्म सब्मिट कर सकते हैं. अधिक जानकारी के लिये जिफ की वेबसाईट www.jifindia.org विजिट की जा सकती है.

जिफ 2015 का आयोजन आगामी 1-5 फरवरी तक होगा.

आपका

हनु रोज

फाउंडर डायरेक्टर और प्रवक्ता-जयपुर अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह-जिफ
Off: +91-141-6500601   Mob: 09828934481

JIFF 2015

Comments and review from selection committee members:

Mr. Niranjan Thade

Jaipur International Film Festival is steadily gaining significance in the International Film Festival arena. One can say that by seeing the quality and contents of the films being sent for selection. This year top line films like 'Jalanan', and 'The Man who Fed his Shadow' arrived for selection. 'Jalanan'

which won the Best Documentary at Busan IFF is a film that has been made painstakingly and with dedication by its maker and shot over 5 years on the streets and buses of Jakarta. 'Man who Fed his Shadow', a wonderfully crafted film has 87 selections and 19 awards already. The film works at different levels and has societal, arts and personal issues of the maker come together in a perfect blend.

This year some excellent and stylish comedies arrived too for selection. '5 Ways 2 Die' is an excellent Black Comedy set to music and 'Ulisis & the 10,000 Moustaches' is an excellent take on a young boy suddenly growing moustaches and the way it changes his school life. Both films have been appreciated widely at the International Film Festival circuits and won multiple awards.

There are some new frontiers being scaled too at JIFF 2015. 'It was Sunny the Day I killed Her' and 'Requiem for My Father' are path breaking to say the least. One of them may need very discerning viewer ship as it deals with nudity as an expression.

Some of the films which stood out during the selection process are 'Without Serena' a minimalist film done with economy of shots and expression; 'Jaya', a student film that traces the life of a orphan teenage girl lives as a boy to guard herself from the mean streets and seaside slums of Mumbai. Brilliant performance by the lead actor. In fact, most of the fiction entries have brilliant performances that impress.

Some other impressive films made selection process rewarding are 'Waking Marshall Walker', 'Jalal's Story'- A landmark film from Bangla Desh that picks the issues of crime, politics and superstition in rural Bangla Desh; Documentary 'On The Edge', and a simple but effective film 'Selfie'.

One important aspect of this year's selection is that this year there were no rejections. This reflects on the fact that the cinematic, technical and aesthetic standard of the films being sent for selection to Jaipur International Film Festival is going up. It will not be a surprise if in the next few years JIFF will be a sought after festival on the international circuit by the frontline filmmakers.

Manjari Makijany

"It was interesting to watch short films from across the globe. Some debut filmmakers have made exceptional films. I hope the ones that deserve get the recognition at JIFF."

डॉ दुर्गाप्रसाद अग्रवाल

वृत्त चित्र खण्ड की जिन फिल्मों को देखने का मुझे अवसर मिला, उनमें एक बात कॉम थी, और वह थी सिनेमा की नई भाषा का इस्तेमाल. फिल्में चाहे देश की हों या विदेश की, जिन्होंने इन्हें बनाया वे सभी किसी न किसी

तरह नई सिने भाषा में अपनी बात कहने को आतुर लगे. भले ही वे वृत्त चित्र बना रहे हैं लेकिन उसके ढांचे के भीतर भी उनकी प्रयोगशीलता मुखर है. यहां विषयों की नवीनता जितनी है उतनी ही उसे प्रस्तुत करने में नई ज़मीन तोड़ने की कोशिश भी है. ये लोग रंगों से भी खेलते हैं और आवाज़ों को भी अपना काम करने देते हैं, बल्कि यों कहें कि उनका नई तरह से और बेहतर इस्तेमाल करते हैं. निश्चय ही ऐसा करते हुए वे वृत्त चित्र के बने बनाये ढांचे से बाहर निकलते हैं. लेकिन यह तो सर्जनात्मकता का तकाज़ा होता ही है.

इन फिल्मों को देखना मेरे लिए एक समृद्ध करने वाला अनुभव था.

Mr. Mumtaz Hussain

Film is modern art. It's a global adventure and a very influential medium to convey someone's thoughts. JIFF is a great place where the people can show their talent and their own way of telling the story. Most of the filmmakers are independent and this festival is providing a great opportunity to show their personal expression to the world. All submissions are highly professional. There is phenomenal talent and potential, the ideas are giving a vow to the world.

JIFF is providing an opportunity to talented people and opening the door to the world.

Bernard Perrot and Anna Troianskaia

"As usual, the large majority of the movies, short fiction, documentaries or animation movies were of excellent quality and it was rather difficult to make the selection.

The main criteria used were the quality of the script, the quality of the screen play, the performance of the actors and actresses. Additional criteria were the photography and the music.

When screening a movie one has to be in the seat of the "public" who has usually no access to the synopsis. If we need to read the synopsis to understand the movie, or the message that it does carry, then there is a problem.

We systematically screened all the movies without reading the synopsis and the rating was done before reading it and this helped us to make our selection that, once again, was very difficult"

Mr. Bernard Perrot

DIE UNSCHULDIGEN - Problems with drug are often treated in movies but this movie has something special that makes it a real story

EMILIE:- A small girl with monkeys' friends helps her inventor of father to build a revolutionary machine.

Warm regards

Hanu Roj

Founder Director and Spokesperson **Off: +91-141-6500601** **Mob: +91-9828934481**